प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

भारत के दर्शन में जगत गुरू बनने की शक्ति- सुधांशु त्रिवेदी

वाद-विवाद प्रतियोगिता में पशुचिकित्सा महाविद्यालय की टीम प्रथम

पंतनगर। १२ नवम्बर, २०१७। विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के दूसरे दिन आज विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्वविद्यालय-स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिता का आज आयोजन हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, डा. सुधांशु त्रिवेदी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में तथा उत्तराखण्ड के डिप्टी एडवोकेट जनरल, श्री सुनील खेड़ा, तथा विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता, डा. जी.के. गर्ग, निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में उपस्थित थे। वाद-विवाद का विषय 'क्या सूचना संचार प्रौद्योगिकी ने मनुष्य की सुख-शांति को कम किया है?' था।

मुख्य अतिथि डा. सुधांशु त्रिवेदी ने वाद-विवाद के विषय को लेकर ही अपना व्याख्यान दिया तथा सूचना प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति का आज एवं युगों पहले नख-शिख विवेचन किया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रौद्योगिकी युगों पहले विकसित हो गयी थी, जिसका प्रमाण हमारे ग्रंथों, उपनिषदों एवं भारतीय दर्शन में विद्यमान है। उन्होंने पंचांग, भूगोल, वराहवतार, मृत संजीवनी विद्या, इत्यादि का उदहारण देते हुए भारत के पुरात्न ज्ञान का प्रमाण दिया। डा. त्रिवेदी ने पदार्थ की ठोस, तरल एवं गैस की स्थिति अंतरिक्ष, समय, मन, स्वप्न इत्यादि से विज्ञान को सूक्ष्म एवं सूक्ष्मतर की अवधारणा की ओर ले जाते हुए भौतिकी के नियमों का सरल प्रतिपादन किया। अंत में उन्होंने सारे ज्ञान को मनुष्य के अंदर ही होना बताया तथा उसे देखने की क्षमता का विकास करने के लिए कहा। डा. त्रिवेदी ने तकनीक व सुख को अलग-अलग बताते हुए उनको अलग-अलग भावनाओं से देखने की बात कही तथा प्रौद्योगिकी को मानवता की भलाई के लिए ही प्रयोग करने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अपनी दर्शन की शक्ति के कारण जगद्गुरू बनने का पूरा सामर्थ्य रखता है।

प्रतियोगिता का आयोजन कृषि महाविद्यालय के सभागार में अपरान्ह २:०० बजे से प्रारम्भ हुआ। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभागिता की, जिनमें प्रत्येक में ४ सदस्य थे। दो सदस्यों ने हिन्दी एवं दो सदस्यों ने अंग्रेजी में दिये गये विषय पर अपना पक्ष-विपक्ष प्रस्तुत किया। चारों प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय की टीम को प्रथम स्थान मिला जिसमें नन्दिनी पंवार, एकता बिष्ट, रोशनी चन्द, शौर्य दुमका सदस्य थे। इसके अतिरिक्त अंग्रेजी में अपना पक्ष प्रस्तुत करने पर वर्निता उपाध्याय को प्रथम एवं प्रगति वर्मा को द्वितीय स्थान मिला। ये दोनों छात्राऐं गृह विज्ञान महाविद्यालय की थीं। हिन्दी में अपना पक्ष प्रस्तुत करने पर कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के सुमित भट्ट एवं कृषि महाविद्यालय के अंकित महापात्रा को संयुक्त रूप से प्रथम तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के रोशनी चन्द व शौर्य दुमका को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत करते डा. सुधांशु त्रिवेदी।

प्रतियोगिता में अपना पक्ष प्रस्तुत करते महाविद्यालयों के प्रतियोगी।

प्रतियोगिता में प्रथम आने पर कुलपति से पुरस्कार प्राप्त करते पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय की टीम के सदस्य